

- أَعِيدُ تَرْتِيبَ الْكَلِمَاتِ لِأَكُونَ جُمْلًا مُفِيدَةً:

رَسَمَ	جَمِيلَةً	لَوْحَةً	فَارِسٌ
--------	-----------	----------	---------

--	--	--	--

رَفَعْتُ	الْعَلَمَ	سُعَادٌ
----------	-----------	---------

--	--	--

نَامَ	ضَوْءٍ	شَادِي	عَلَى	الْقَمَرِ
-------	--------	--------	-------	-----------

--	--	--	--	--

لَعِبَ	الْغَابَةِ	فِي	الْأَسَدُ
--------	------------	-----	-----------

--	--	--	--

جَمَالٌ	الْهَدَايَا	وَزَّعَ
---------	-------------	---------

--	--	--